हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, रविवार 25 जनवरी 2026

13 बाबा नाहर सिंह मेला संस्कृति का अभिन्न अंग: संतोष यादव

14 कनीना के 6 गांव में 5.16 करोड़ के विकास कार्यों...

बीते तीन साल में करीब 45 ग्रामीणों की कैंसर से हो चुकी मौत

केशवाना फैक्ट्री मालिकों ने रिचार्ज बोरवेलों में छोड़े दूषित कैमिकल से गोठड़ी का पानी जहरीला, कैंसर का बढ़ा प्रकोप

कैमिकल की धुआं से करीब 120 एकड़ में विभिन्न फसलों को होता है नुकसान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नांगल चौधरी

गांवों की आबोहवा सेहत के लिए फायदेमंद होती है। अब इस धारणा को इंडस्ट्रीज ने मिथ्या साबित करना शुरू कर दिया है, क्योंकि गोठड़ी गांव के पास राजस्थान के केशवाना में स्थापित इंडस्ट्रीज मालिक रिचार्ज बोरवेलों में दूषित कैमिकल छोड़ रहे हैं। फैक्ट्री के धुआं से ग्रामीणों की फसल व कैमिकल युक्त पेयजल से स्वास्थ्य खराब होने लगा है। बीते तीन साल के दौरान 45 से अधिक ग्रामीणों को कैंसर हो चुका, जिनकी लंबे उपचार के बाद मौत भी हो चुकी है। दूसरी ओर जहरीली धुआं के चलते नजदीकी करीब 120 एकड़ रकबे की फसल खराब हो जाती है।

उल्लेखनीय है कि गोठड़ी गांव राजस्थान व हरियाणा की सीमा पर बसा हुआ है। गांव में 400 परिवार व पांच हजार से अधिक आबादी है। समीप ही राजस्थान के केशवाना में 25 साल से फैक्ट्री संचालित हैं। जहां बीते 10 साल में विभिन्न कारखानों की संख्या कई गुणा बढ़ गई। जिनमें अधिकतर फैक्ट्री कीटनाशक दवाई, इत्र, रबड़, प्लास्टिक बैग व कैमिकल का उत्पाद करती हैं। ऐसी उत्पाद प्रक्रिया में पर्यावरण व भूजल का सर्वाधिक दोहन होता है। विशेषज्ञों के अनुसार दवाई, इत्र को फिल्टर करने में हजारों ग्लेन पानी खराब होता है। जिसको खुले में डालने पर कई महीनों तक उसकी दुर्गंध खत्म नहीं होती। इसलिए इंडस्ट्रीज मालिकों ने जमीन में चौड़े चौड़े बोरवेल करवा लिए। इसी बोरवेल में कैमिकल युक्त दूषित पानी को छोड़ना आरंभ कर दिया। करीब 300 से 400 फीट की गहराई पर एक ही जलस्त्रोत होने के कारण यह दूषित कैमिकल गोठड़ी गांव के बोरवेलों से निकलने लगा है। गांव के बोरवेलों का पानी मटमैला हो गया, जिसका इस्तेमाल करने से ग्रामीणों को कैंसर और हार्ट की समस्या बढ़ गई है। परेशान ग्रामीणों ने कोटपूतली जाकर स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत कराया था, लेकिन सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने के कारण हवा व जल प्रदूषण पर अंकुश नहीं लग पाया है।

जमीन के नीचे बार्डर नहीं, जलस्रोतों का मिलना संभवः मंजू चौधरी

विधायक मंजू चौधरी ने बताया कि जमीन के गर्भ में नालियां हैं, जिनमें पानी बहता है। इस दूषित पानी का बहाव गोठड़ी तक पहुंचता है। जिसके इस्तेमाल से गोठड़ी व अन्य कई गांवों का पेयजल जहरीला हो रहा है। समाधान के लिए सदन की मार्फत सरकार को स्थिति से अवगत कराया गया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिससे ग्रामीणों को कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। सेशन चलने पर सरकार को दुबारा दूषित पेयजल से अवगत कराया जाएगा।

कैंसर से इनकी हुई मौत

चिकित्सीय रिपोर्ट के अनुसार दल्लाराम, भागीरथ, गुरुदयाल, सत्यनारायण, नाथी देवी, पूर्णसिंह, कैलाशचंद, गुल्लाराम, गैंदाराम, नंदाराम, सवाई सिंह, मूलाराम, दिनेश कुमार, भाताराम, रामेश्वर सिंह, रामस्वरूप को कैंसर हुआ था। जिनका जयपुर व दिल्ली एम्स में लंबे उपचार के बाद देहांत हो गया।

मोनोआक्साइड गैस से होता है फसलों को नुकसान

कृषि विभाग के बीएओ डॉ. हरीश यादव ने बताया कि गोठड़ी में गाजर की फसल खराब होने की शिकायत नहीं मिली है। जल्द ही वहां जाकर स्थिति का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने बताया कि कई इंडस्ट्रीज की धुआं में मोनोआक्साइड गैस होती है, जिससे फसलों को नुकसान संभव है। निरीक्षण रिपोर्ट के मुताबिक फसल के बचाव संबंधी योजना बनाई जाएगी।

जहरीली गैस के प्रभाव से पौधों के जलते हैं पत्ते

गांव के रामकरण कसाना पूर्व सरपंच, रामशरण ने बताया कि दवाई व कैमिकल इंडस्ट्रीज के पास लगभग 125 एकड़ रकबे पर विभिन्न फसलों की बिजाई होती है। हवा का रूख बदलते ही फैक्ट्री की जहरीली धुआं खेतों की तरफ आने लगती है, जिसके प्रभाव से फसल के साथ बड़े पेड़ों के पत्ते भी जल गए हैं। फुटाव के लिए ग्रामीण खाद व सिंचाई भी करते हैं, लेकिन कोई राहत नहीं मिलती।

रोषस्वरूप दिया धरना, एसडीएम को ज्ञापन सौंपा

खेतों में एचटी लाइन खड़ी करने पर किसानों को मुआवजा नहीं

- जिला महेंद्रगढ़ में 765 केवी सीकर-नरेला व खेतड़ी-नरेला एचटी लाइन से पीड़ित हैं सैकड़ों किसान

नारनौल। किसानों के धरने को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब व एसडीएम अनिरुद्ध यादव को ज्ञापन सौंपते किसान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

लघु सचिवालय में जिला महेंद्रगढ़ के 765 केवी सीकर-नरेला व खेतड़ी-नरेला एचटी लाइन से पीड़ित सैकड़ों किसान भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब के नेतृत्व में पहले तो धरना दिया और वहां से चलकर एसडीएम अनिरुद्ध यादव से मिले और उन्हें एक ज्ञापन देकर प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की।

अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब ने बताया कि भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के लंबे आंदोलन के चलते भारत सरकार/हरियाणा सरकार ने किसानों के हक में गत 21 मार्च 2025/2 जून 2025 को कानून पारित किया था, जिसके अंतर्गत किसान अपनी ज़मीन का वास्तविक मूल्य (मार्केट रेट) लेने के हकदार रहेगा। तत्पश्चात भी पावरग्रिड कंपनी बिना एसओपी का अनुसरण किए प्रशासन का सहारा लेकर किसानों को डरा-धमकाकर लाइन का कार्य जारी रखा और 21 मार्च 2025 को किसानों के हक में पॉलिसी आने के बाद भी जिला प्रशासन की तरफ से कोई एमआरसी गठित नहीं की गई। तत्पश्चात मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ पीड़ित किसान डीसी नारनौल से 8 अक्टूबर 2025 को मिले व किसानों के मुआवजे के लिए एमआरसी गठित करके मार्केट रेट पर मुआवजा दिलाने की मांग की।

इसके बाद प्रशासन की तरफ से एक कमेटी बनाई गई, लेकिन तीन महीने गुजरने के बाद तक भी पावरग्रिड अधिकारी डीजीएम राघवेंद्र ने प्रशासन को गुमराह करने व खेतड़ी-नरेला एचटी लाइन से पीड़ित किसानों को उनके हक से वंचित रखने की मंशा के चलते यह बताया गया कि खेतड़ी-नरेला लाइन अप्रैल 2025 में तैयार कर दी गई थी, जबकि खेतड़ी-नरेला एचटी लाइन तैयार कर दिसंबर 2025 के पहले सप्ताह में चालू की गई है। अधिकारी के इस झूठ से किसानो में भारी रोष है।

किसानों ने बताया कि वे बार-बार एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई है। सभी किसानों ने एकजुटता कर आगे बढ़ने का प्रण लिया और पावर ग्रिड मैनेजमेंट के हर षड्यंत्र का उचित जवाब देते के लिए कटिबद्ध हुआ। किसानों ने बताया कि पूरे महेंद्रगढ़ जिले के किसान एकसाथ हैं। अगर उनकी सुनवाई नहीं हुई तो आंदोलन करने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

लोहचब ने बताया कि एचटी लाइन बिजली के बड़े खंभों के विरुद्ध किसान आंदोलन में केंद्र और हरियाणा सरकार ने किसानों की मांगों पर ऐतिहासिक मुआवजा पॉलिसी बनाकर लागू की, लेकिन पावर ग्रिड मैनेजमेंट किसानों के खिलाफ दशकों से शोषण कर रहा है। जिला प्रशासन और पुलिस फोर्स का इस्तेमाल कर किसानों को दबाने का काम किया, लेकिन सरकार द्वारा लागू मुआवजा पॉलिसी किसान हितैषी है।

यह है मामला

765 केवी सीकर-नरेला व खेतड़ी-नरेला एचटी लाइन जिला महेंद्रगढ़ से गुजर रही है तथा इसमें सीकर-नरेला के 38 तथा खेतड़ी-नरेला के लगभग 20 पोल लगे हुए हैं। लाइन के दोनों तरफ 33.5-33.5 मीटर एरिया भी प्रभावित होता है। इस प्रकार एक पोल लगाने में किसान के खेता का लगभग दो कनाल एरिया प्रभावित होता है। सरकार ने किसानों को मुआवना मार्केट वेल्यू के हिसाब से देने का कानून बना रखा है, लेकिन निर्माता कंपनी का कहना है कि यह कार्य उन्होंने अप्रैल 2025 में ही पूरा कर लिया था। ऐसे में उन पर यह कानून लागू नहीं होता, जबकि किसान कहते हैं कि यह लाइन दिसंबर 2025 में चालू की गई। ऐसे में नए कानून के अनुसार मुआवजा मिले। जो सभी किसानों का मिलाकर करोड़ों रुपये बनता है।

यह रहे मौजूद

इस मौके पर किसान मनोज कुमार गुढ़ा, विनोद गहली, रामनिवास पटोढ़ा, विनोद चौधरी, सत्यवीर प्रिंसिपल, मुकेश यादव, राजकुमार, रमेश, सचिन, दयाराम, ओमप्रकाश, पंकज, सुल्तान सिंह, हवासिंह, भूपेन्द्र, विक्रम, रोहतास, पवन, धर्मपाल, लीलू व रामफल समेत सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

हार्ट अटैक से महिला की मौत

नारनौल। मंडी अटेली निवासी करीब 48 वर्षीय कुसुमलता पत्नी मनफूल सिंह की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कुसुमलता के ग्रांड फादर इंद्राज सिंह ने बताया कि कुसुम को सवेरे हर्ट 8-9 बजे के बीच हर्ट अटैक आया था। उसे बीपी की पहले से प्रॉब्लम थी। उसे उपचार के लिए नारनौल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे सरकारी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। सरकारी अस्पताल के डाक्टरों ने कुसुमलता को मृत घोषित कर दिया। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने परिजनों के बयान पर आवश्यक कार्रवाई करने उपरांत शव का डाक्टरों से पोस्टमार्टम कराया तथा उसे परिजनों को सौंप दिया।

सड़क हादसे के शिकार रिटायर्ड एडीओ ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

नारनौल। गत 4 अगस्त 2025 को सड़क हादसे के शिकार हुए हुडा सेक्टर एक निवासी एवं कृषि विभाग से रिटायर्ड एडीओ कंचन लाल ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया। 72 वर्षीय कंचन लाल गत 4 अगस्त को नारनौल से गाड़ी द्वारा बरेली गए थे। तब बरेली में उनकी गाड़ी एवं कंटेनर के बीच टक्कर हो गई थी, जिस पर गाड़ी में सवार तीन अन्य लोग भी घायल हुए थे।

दुकानदार से मारपीट करने के मामले में 3 आरोपित गिरफ्तार

- गाड़ी, लोहे की पाइप व फरसानुमा हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

थाना शहर पुलिस ने दुकानदार के साथ मारपीट, लूटपाट करने व जान से मारने की धमकी देने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार किए गए आरोपितों की पहचान कैलाश नगर निवासी मुख्य आरोपित कृष्ण, मोहम्मदपुर निवासी हरीश व सुरानी निवासी रक्षित के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई गाड़ी, लोहे की पाइप व फरसानुमा हथियार भी बरामद कर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता सुमित कुमार ने बताया कि मोतीलाल नगर निवासी व रेलवे अस्पताल के सामने सुनील मोटर्स चलाने वाले सुनील ने 17 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायतकर्ता के अनुसार पुरानी रंजिश के चलते 17 जनवरी की शाम करीब छह बजे आरोपित कृष्ण साथियों के साथ कैंपर गाड़ी में सवार होकर उसकी दुकान पर आया। आरोपितों ने लाठी डंडों व लोहे की रॉड से लैस होकर दुकान में घुसते ही उस पर जानलेवा हमला कर दिया।

नारनौल। पुलिस गिरफ्त में आरोपित। फोटो: हरिभूमि

नारनौल। रास्ता पक्का करने की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

रास्ता पक्का करने की मांग ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

- अभिभावकों ने की प्रशासन व सरकार से शीघ्र समाधान की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

रास्ता पक्का करने की मांग को लेकर चिंडालिया गांव के ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। इस अवसर पर छाजूराम रावत ने कहा कि जैलाफ-चिंडालिया रास्ता दोनों गांवों के ग्रामीणों की बेहद वाजिब व जनहित की मांग है। सरपंच चिंडालिया सुमन ने बताया कि गांव चिंडालिया के स्कूली बच्चे जैलाफ की सीनियर सेकेंडरी स्कूल में जाते हैं। जिनमें छात्राओं की संख्या अधिक है। स्कूली बच्चों को इस कच्चे व बेहद उबड़ खाबड़ रास्ते से आने जाने में भारी मुश्किल होती है। बरसात होने पर तो इस रास्ते से निकलना बेहद दूभर कार्य है। जिस तरह राज्य सरकार बालिका शिक्षा को बढ़ावा दे रही है, यदि दो गांवों को जोड़ने के साथ राजस्थान सीमावर्ती गांवों को जोड़ने वाले रास्ते को पक्का करने से राज्य सरकार की बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के अभियान को और अधिक बल मिलेगा।

गांव के बुजुर्गों ने कहा कि जैलाफ-चिंडालिया रास्ते पर दोनों गांवों के खेत लगते हैं। जहां किसान व ग्रामीण महिलाओं को पशुओं के चारा लाने तथा खेतों में आने जाने की भारी परेशानी होती है। विक्रम सिंह ने बताया कि वे जैलाफ स्कूल में ही पढ़ें है, जब भी यह रास्ता कच्चा ही था और आज गांव के बच्चे जैलाफ स्कूल में जा रहे हैं, तब भी यह रास्ता कच्चा ही है, जिसे शीघ्र पक्का करवाया जाना बालिका शिक्षा के हित में होगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर सुभाष, रिसाल सिंह, अजीत सिंह, विक्रम सिंह, अनूप सिंह, राजवीर मास्टर, बीरेंद्र सिंह, मनोज कुमार, मंदरूप, रामनिवास, भूपसिंह, बीरसिंह, महेन्द्र सिंह, रणसिंह, रामपाल, अनिल कुमार, राजकुमार, रमेश कुमार, नरेंद्र सिंह, बनवारी सिंह, जिलेसिंह, राकेश कुमार, रामकिशन, रमेश कुमार, वेदप्रकाश सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश से तापमान में आई गिरावट, ठंड बढ़ी

- 24 घंटों में 4.0 डिग्री से 12.0 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का तापमान

नारनौल। पर्वतीय क्षेत्रों पर भारी मात्रा में बर्फबारी व मैदानी राज्यों में बारिश बूंदाबांदी के साथ ओलावृष्टि के बाद पश्चिमी मौसम प्रणाली आगे निकलते ही सर्द हवाओं ने कहर बरपाना शुरू कर दिया। जिससे जिले में एक बार फिर से हाड़कंपा देने वाली ठंड ने अपना रौद्र रूप धारण कर लिया है। पश्चिमी मौसम प्रणाली से उत्तरी पर्वतीय इलाकों पर लगातार बर्फबारी जारी है व हिमालय की हिमाच्छादित शिखरों से उत्तरी हवाओं का रूख सीधे मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा एनसीआर दिल्ली पर होने से शीतलहर से गंभीर शीतलहर, पाला जमने की गतिविधियों को दर्ज किया गया। हरियाणा एनसीआर दिल्ली में रात्रि तापमान एक ही दिन में यानी 24 घंटों में 4.0 डिग्री से 12.0 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गए हैं। इसके अलावा दिन के तापमान भी सामान्य से नीचे बने हुए हैं। आमजन को बर्फिली सर्द हवाओं ने दुबकने को मजबूर कर दिया है। जिले में अलसुबह से शाम तक 10-15 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उत्तरी बर्फिली सर्द हवाओं ने आमजन को हाड़ कंपाने वाली ठंड से रूबरू कराया। जिसके कारण आमजन को घरों में दुबकने को मजबूर कर दिया व अलाव का सहारा लेना पड़ा। दिन व रात के तापमान सामान्य से नीचे बने हुए हैं। जिले में नारनौल व महेंद्रगढ़ का दिन और रात का तापमान क्रमशः 15.0, 2.5 डिग्री सेल्सियस व 15.4, 3.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विशेषज्ञ डॉ. चन्द्रमोहन ने बताया कि प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों चरखी दादरी, महेंद्रगढ़ ,रेवाड़ी, गुरुग्राम, मेवात में कुछ स्थानों पर रात्रि तापमान जमाव बिंदु व आसपास बने रहने की सम्भावना है। यहां कुछ स्थानों पर पाला जमने व शीतलहर से गंभीर शीतलहर की स्थिति देखने को मिलेगी। अगर हवाओं शांत रही तो कुछ स्थानों पर कोहरा की सम्भावना बन रही है। इसलिए भारतीय मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी कर दिया है। इसके अलावा 26 जनवरी शाम को उत्तरी पर्वतीय क्षेत्रों पर एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से हरियाणा एनसीआर दिल्ली में 26 जनवरी रात से 28 जनवरी तक मौसम में बदलाव व तापमान में हल्की बढ़त के साथ बिखराव वाली हल्की बारिश तथा बूंदाबांदी की गतिविधियों की सम्भावना है।

RAO SULTAN SINGH
MEMORIAL SR. SEC. SCHOOL
NIMBHERA, MAHENDERGARH (HARYANA)
Affiliated to CBSE, New Delhi, Affiliated No. 532239
E-mail : syadavrssm@gmail.com

WE ARE HIRING
सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ADMIN : Academic Head
PGT: Hindi, English, Physics, Chemistry, Maths, Biology, Music, Geography, Physical Education, Economics & Accounting
TGT: English, Social Science (English Medium), Science, Computer Teacher
PRT: Hindi, English, Mathematics, Social Science (English Medium), Dance Teacher, Computer Teacher
Supporting Staff : Receptionist (Female), Coach (All Games)
WALK-IN INTERVIEW
1 February 2026, Sunday | 8 February 2026, Sunday
Time 9:00 AM TO 2:00 PM at School Campus
Salary No Bar For Deserving Candidates
Qualification : As per CBSE Norms
Admissions Open
Session - 2026-27

Principal
Raj Kumar Sharma
9416420180
Vice Principal
Ram Kumar
9466082066
Director
Advocate Satyapal Yadav
M.: 9050361061

छोटी रकम, पर बड़ी सोच रखें, तैयार कर सकते हैं 25 लाख तक का फंड

सुझाव | बिजनेस डेस्क

मिडिल क्लास की सबसे बड़ी चिंता भविष्य की सुरक्षा होती है। सैलरी आती है, खर्च निकल जाता है और बचत हाथ से फिसल जाती है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि रोज की छोटी आदतें आपकी जिंदगी का बड़ा सहारा बन सकती हैं? एक ऐसा तरीका है, जो बिना भारी बोझ के मजबूत फंड बनाने की राह खोलता है। आज के समय में सिर्फ अच्छी नौकरी या ठीक-ठाक कमाई होना ही काफी नहीं है। जितनी तेजी से महंगाई बढ़ रही है, उसी तेजी से पैसे को बढ़ाना भी जरूरी हो गया है। मिडिल क्लास परिवारों के लिए यह चुनौती और भी बड़ी हो जाती है, क्योंकि आमदनी सीमित होती है और जिम्मेदारियां ज्यादा। ऐसे में ज्यादातर लोग सोचते हैं कि बड़ा फंड बनाना उनके बस की बात नहीं है, लेकिन सच्चाई यह है कि सही आदत और सही प्लानिंग से छोटी बचत भी बड़ा कमाल कर सकती है। अगर आप भी सोच रहे हैं कि ज्यादा निवेश के बिना बड़ा फंड कैसे बने, तो जवाब आपकी रोज की छोटी बचत में छिपा है।

हमेशा बड़ी सोच रखो

अक्सर हम यह मान लेते हैं कि निवेश तभी संभव है जब जेब में ढेर सारा पैसा हो। इसी सोच की वजह से लोग निवेश को टालते रहते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बड़ा फंड एक दिन में नहीं बनता, बल्कि रोज के छोटे फैसलों से तैयार होता है। रोज 200 रुपये बचाना कोई भारी बोझ नहीं है। यह रकम हम अक्सर अनजाने में चाय, सिगरेट, फास्ट फूड या ऑनलाइन ऑर्डर में खर्च कर देते हैं। अगर यही 200 रुपये रोज बचाकर भविष्य के लिए लगा दिए जाएं, तो यही छोटी आदत कुछ सालों में आर्थिक आजादी की तरफ ले जा सकती है।

निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान

आज के दौर में निवेश पहले से कहीं ज्यादा आसान हो गया है। म्यूचुअल फंड एसआईपी ने आम आदमी को भी निवेश की ताकत दे दी है। अब निवेश के लिए बड़े चेक या लंबी प्रक्रिया की जरूरत नहीं। आप हर दिन 200 रुपए भी जमा करते हैं तो महीने में 6000 रुपए म्यूचुअल फंड में निवेश कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि आपको निवेश का दबाव महसूस नहीं होता। पैसे धीरे-धीरे कटते रहते हैं और आपको पता भी नहीं चलता कि कब एक अच्छा-खासा फंड तैयार हो गया।

रोज 200 रुपये से 25 लाख कैसे

अब सवाल आता है कि आखिर रोज की इतनी छोटी बचत से 25 लाख रुपये कैसे बन सकते हैं, अगर आप रोज 200 रुपये निवेश करते हैं, तो महीने में लगभग 6,000 रुपये और साल में करीब 72,000 रुपये का निवेश हो जाता है। अगर आप यह निवेश लगातार 14 साल तक करते हैं और औसतन 12 प्रतिशत सालाना रिटर्न मिलता है, तो आपकी कुल जमा रकम करीब 10 लाख रुपये होगी, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से आपके पैसे पर पैसा बनता रहेगा और रिटर्न के रूप में लगभग 15–16 लाख रुपये जुड़ सकते हैं। इस तरह अंत में आपका फंड करीब 25 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।

मिडिल क्लास के लिए कितनी फायदेमंद

एसआईपी मिडिल क्लास परिवारों के लिए इसलिए खास है क्योंकि यह उनकी जीवनशैली में आसानी से फिट हो जाती है। लंबी अवधि के लिए निवेश करने से बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है। जब बाजार ऊपर होता है, तो कम यूनिट मिलती हैं और जब बाजार नीचे होता है, तो ज्यादा यूनिट मिल जाती हैं।

निवेश को समय देना है जरूरी

यह समझना बहुत जरूरी है कि म्यूचुअल फंड कोई रातों रात अमीर बनने की स्कीम नहीं है। इसमें समय देना पड़ता है. बीच में बाजार गिर सकता है, लेकिन अगर आप घबराकर निवेश बंद नहीं करते और धैर्य बनाए रखते हैं, तो लंबे समय में इसका फायदा जरूर मिलता है। जैसे-जैसे आपकी आमदनी बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की रकम बढ़ाना भी एक समझदारी भरा कदम हो सकता है। इससे आपका फंड और तेजी से बढ़ेगा।

लगातार कुलांचे भर रही है चांदी की कीमतें, आगे क्या रहेगा चांदी का रुख, क्या इसमें निवेश करना सही

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

चांदी भर रही निवेशकों की झोली, संभलकर करें निवेश

- चांदी की कीमत इस समय करीब 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई।
- पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 20,400 बढ़कर 3,23,000 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी।

चांदी के भाव में गिरावट को लंबी अवधि के पोर्टफोलियो के लिए खरीदारी का मौका समझना चाहिए। केंद्रीय बैंकों द्वारा चांदी की खरीद, मौद्रिक नीति में नरमी और चांदी की बढ़ती औद्योगिक मांग जैसे कारणों से सोना और चांदी निवेशकों के लिए बहुत महत्वपूर्ण हो गए हैं। वहीं, टाटा म्यूचुअल फंड की एक रिपोर्ट के अनुसार, हाल के महीनों में रिकॉर्ड उछाल के बाद चांदी में अभी भी काफी उतार-चढ़ाव के साथ मजबूती बनी रह सकती है। इसकी वजह मजबूत मांग का अनुमान और सप्लाई में कमी या स्टॉक की कमी है, जो मौजूदा ट्रेंड को बढ़ावा दे रहे हैं।

पिछले कुछ समय से चांदी निवेशकों की पहली पसंद बनती जा रही है। जिस रफ्तार से चांदी की कीमतें बढ़ रही हैं, उसने न सिर्फ बाजार को चौंकाया है, बल्कि निवेशकों के मन में यह सवाल भी खड़ा कर दिया है कि क्या यह तेजी टिकाऊ है या फिर जल्द ही इसमें मुनाफावसूली का दौर शुरू होगा। हालिया आंकड़े बताते हैं कि चांदी ने बेहद कम समय में जबरदस्त उछाल दर्ज किया है, लेकिन हर तेजी के साथ जोखिम भी बढ़ता है। ऐसे में चांदी में निवेश से पहले ठहरकर सोचने की जरूरत है। बीते कारोबारी सत्रों पर नजर डालें तो चांदी की कीमतें थोड़े से उतार चढ़ाव के बाद लगातार कुलाचे भरती दिखाई देती हैं। ताजा भाव के मुताबिक चांदी लगभग 3,48,647 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) के स्तर पर पहुंच गई है। यानी महज तीन से चार कारोबारी दिनों में ही चांदी की कीमतों में 35 हजार रुपये से ज्यादा की उछाल देखने को मिला है। यह तेजी सामान्य नहीं कही जा सकती और इसी वजह से बाजार में चांदी को लेकर उत्साह के साथ-साथ सतर्कता भी बढ़ रही है।

चांदी में क्यों आई है इतनी तेज़ी

चांदी की मौजूदा तेजी के पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण हैं। सबसे बड़ा कारण वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता है। दुनिया के कई हिस्सों में मंदी की आशंका, भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की चाल ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर मोड़ा है। पारंपरिक रूप से सोने के साथ-साथ चांदी भी सुरक्षित निवेश मानी जाती है, लेकिन चांदी की एक खासियत यह है कि इसका औद्योगिक उपयोग भी बड़े पैमाने पर होता है। इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर उद्योग में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। ग्रीन एनर्जी और क्लीन टेक्नोलॉजी पर वैश्विक फोकस ने चांदी की औद्योगिक मांग को और मजबूत किया है। जब निवेश और उद्योग दोनों तरफ से मांग बढ़ती है, तो कीमतों में तेजी आना स्वाभाविक है। इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सप्लाई की सीमाएं भी चांदी की कीमतों को सहारा दे रही हैं। खनन लागत बढ़ना, नई खदानों की कमी और उत्पादन में सुस्ती ने सप्लाई-साइड दबाव पैदा किया है। इसका असर भारतीय बाजार में भी साफ दिखाई दे रहा है।

निवेशकों को क्यों हो रहा है बड़ा फायदा

चांदी की तेजी ने खासतौर पर उन निवेशकों को मालामाल किया है जिन्होंने इसमें समय रहते निवेश किया था। बीते एक साल में चांदी आधारित ईटीएफ ने असाधारण रिटर्न दिया है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल में सिल्वर ईटीएफ ने 200% से ज्यादा का रिटर्न दिया है। खासतौर पर यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने पिछले एक साल में करीब 206% का रिटर्न देकर निवेशकों को चौंका दिया है। ईटीएफ के जरिए निवेश करने वालों को न सिर्फ कीमतों में तेजी का फायदा मिला, बल्कि उन्हें भौतिक चांदी रखने की झंझट से भी मुक्ति मिली। यही वजह है कि हाल के महीनों में सिल्वर ईटीएफ में निवेश तेजी से बढ़ा है। छोटे निवेशकों से लेकर बड़े संस्थागत निवेशक तक, सभी की दिलचस्पी चांदी में बढ़ी है।

क्या आगे भी जारी रहेगी चांदी की तेजी

सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या चांदी की यह रैली आगे भी जारी रहेगी या अब इसमें ब्रेक लगेगा। विशेषज्ञों की मानें तो लंबी अवधि में चांदी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं। औद्योगिक मांग, ग्रीन एनर्जी ट्रांजिशन और वैश्विक अनिश्चितता जैसे कारक चांदी को सपोर्ट कर सकते हैं। हालांकि, अल्पकाल में इतनी तेज तेजी के बाद करेक्शन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। जिस तरह से पिछले तीन दिनों में ही 35 हजार रुपये से ज्यादा का उछाल आया है, उससे साफ है कि बाजार कुछ हद तक ओवरबॉट जोन में पहुंच सकता है। अगर वैश्विक संकेत बदले, डॉलर मजबूत हुआ या मुनाफावसूली शुरू हुई, तो चांदी की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

निवेश से पहले किन बातों का रखें ध्यान

चांदी में निवेश करते समय सिर्फ रिटर्न देखकर फैसला करना समझदारी नहीं होगी। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि चांदी सोने की तुलना में कहीं ज्यादा अस्थिर (वोलेटाइल) होती है। इसमें तेजी जितनी तेज होती है, गिरावट भी उतनी ही तीखी हो सकती है। अगर आप नए निवेशक हैं, तो एकमुश्त बड़ी रकम लगाने से बचें। चरणबद्ध तरीके से निवेश करना बेहतर रहेगा। लॉन्ग टर्म निवेशक के तौर पर चांदी को पोर्टफोलियो में एक सीमित हिस्से के रूप में ही रखें। विशेषज्ञ आमतौर पर कुल निवेश का 5–10% से ज्यादा हिस्सा चांदी या अन्य कमोडिटी में न लगाने की सलाह देते हैं। इसके अलावा, निवेश का माध्यम भी सोच-समझकर चुनें। भौतिक चांदी, सिल्वर ईटीएफ, फ्यूचर्स या डिजिटल सिल्वर—हर विकल्प के अपने फायदे और जोखिम हैं।

मुनाफा है, लेकिन सावधानी ज़रूरी

इसमें कोई शक नहीं कि मौजूदा दौर में चांदी ने निवेशकों की झोली भर दी है। कीमतों की तेज रफ्तार और ईटीएफ के शानदार रिटर्न ने इसे चर्चा के केंद्र में ला दिया है। लेकिन बाजार का इतिहास गवाह है कि हर तेज रैली के बाद ठहराव या गिरावट भी आती है। इसलिए चांदी में निवेश करते समय उत्साह के साथ विवेक भी जरूरी है। लंबी अवधि के नजरिये से, सीमित हिस्सेदारी और सही रणनीति के साथ किया गया निवेश फायदेमंद हो सकता है। लेकिन जल्द अमीर बनने की उम्मीद में बिना जोखिम समझे किया गया निवेश भारी नुकसान भी करा सकता है। चांदी चमक जरूर रही है, लेकिन इस चमक के पीछे छिपे जोखिमों को नजरअंदाज करना निवेशकों के लिए महंगा साबित हो सकता है।

योजना बनाकर संयमित तरीके से करना होगा निवेश, भारत में अभी तक कॉपर ईटीएफ या कॉपर म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं

सोना-चांदी के बाद 'कॉपर' भी बन रहा अगला बड़ा निवेश विकल्प

जानकारी | बिजनेस डेस्क

“गोल्ड और सिल्वर की चमक के बीच बेस मेटल कॉपर को निवेशकों ने काफी समय तक नजरअंदाज किया, लेकिन अब इसमें भी तेज उछाल दिख रहा है। लंदन मेटल एक्सचेंज (एलएमई) के आंकड़ों के अनुसार, कॉपर मार्च 2022 के बाद के अपने सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया है। भारत में भी कॉपर फ्यूचर्स ने बीते एक साल में लगभग 36% की तेजी दिखाई है, जिससे यह सबसे बेहतर प्रदर्शन करने वाली कमोडिटीज में से एक बन गया है।

पिछले कुछ वर्षों में निवेशकों ने देखा है कि कैसे सोना और चांदी ने अनिश्चित बाजार हालात में बेहतर रिटर्न देकर खुद को सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में स्थापित किया। अब इसी कड़ी में एक और कमोडिटी निवेशकों के रडार पर तेजी से उभर रही है वह है कॉपर (तांबा)। शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का रुझान एक बार फिर कमोडिटी निवेश की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कॉपर अगला बड़ा दांव बन सकता है और क्या रिटेल निवेशक भी इससे मोटी कमाई कर सकते हैं। लेकिन इसके लिए योजना बनाकर संयमित तरीके से निवेश करना होगा। तभी कॉपर में निवेश कर अच्छा रिटर्न पाया जा सकता है। सोना और चांदी के बाद अब निवेशकों की नजर कॉपर (तांबा) पर टिकने लगी है। पिछले एक साल में गोल्ड और सिल्वर ने रिकॉर्ड रिटर्न दिए हैं।

इसलिए बढ़ रहा कॉपर की ओर निवेशकों का झुकाव

कॉपर को अक्सर डॉ. कॉपर कहा जाता है, क्योंकि इसकी मांग वैश्विक आर्थिक गतिविधियों का संकेत देती है। जैसे-जैसे इंडस्ट्री, इंफ्रास्ट्रक्चर और टेक्नोलॉजी सेक्टर में गतिविधियां बढ़ती हैं, कॉपर की खपत भी उसी अनुपात में बढ़ती है। मौजूदा समय में कई ऐसे स्ट्रक्चरल ट्रेंड्स हैं जो कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकते हैं। सबसे बड़ा कारण है ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) सेक्टर का विस्तार। एक इलेक्ट्रिक कार में पारंपरिक पेट्रोल-डीजल कार की तुलना में लगभग तीन से चार गुना ज्यादा कॉपर इस्तेमाल

होता है। बैटरी, मोटर, चार्जिंग सिस्टम और वायरिंग हर जगह कॉपर की अहम भूमिका है। दुनिया भर में ईवी को बढ़ावा देने के लिए सरकारें नीतियां बना रही हैं, जिससे आने वाले वर्षों में कॉपर की मांग लगातार बढ़ने की उम्मीद है। दूसरा अहम कारण है डेटा सेंटर और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का तेजी से विस्तार। क्लाउड कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और 5जी जैसी तकनीकों के कारण बड़े पैमाने पर डेटा सेंटर्स बनाए जा रहे हैं। इन डेटा सेंटर्स में बिजली की खपत और केबलिंग के लिए भारी मात्रा में कॉपर की जरूरत होती है। इसके अलावा डिफेंस और रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर भी कॉपर की मांग को मजबूत कर रहे हैं। सोलर पैनल, विंड टर्बाइन और इलेक्ट्रिक ग्रिड के आधुनिकीकरण में कॉपर एक प्रमुख कच्चा माल है। वैश्विक स्तर पर ग्रीन एनर्जी पर जोर के चलते यह मांग लंबे समय तक बनी रह सकती है।

सप्लाई की चुनौती: कीमतों को सहारा

कॉपर की तेजी के पीछे सिर्फ मांग ही नहीं, बल्कि सप्लाई से जुड़ी समस्याएं भी बड़ा कारण हैं। दुनिया की कई प्रमुख कॉपर माइंस पुराने चरण में पहुंच चुकी हैं, जहां उत्पादन बढ़ाना आसान नहीं है। नई माइंस विकसित करने में पर्यावरणीय नियम, लंबी मंजूरी प्रक्रिया और भारी लागत बड़ी बाधा बन रहे हैं। इसके अलावा कुछ प्रमुख उत्पादक देशों में राजनीतिक और श्रम संबंधी अनिश्चितताएं भी सप्लाई को प्रभावित करती हैं। सीमित सप्लाई और बढ़ती मांग का यह असंतुलन कॉपर की कीमतों को लंबी अवधि में मजबूती दे सकता है।

भारत में निवेश के विकल्प क्या हैं

फिलहाल भारत में कॉपर ईटीएफ या कॉपर आधारित म्यूचुअल फंड उपलब्ध नहीं हैं, जो रिटेल निवेशकों के लिए एक बड़ी चुनौती है। हालांकि, इसके बावजूद निवेश के कुछ रास्ते मौजूद हैं। पहला विकल्प है कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के जरिए कॉपर फ्यूचर्स में निवेश, लेकिन यह विकल्प केवल उन्हीं निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जिन्हें कमोडिटी बाजार की अच्छी समझ हो, क्योंकि इसमें वोलैटिलिटी और लीवरेज का जोखिम ज्यादा होता है। दूसरा विकल्प है कॉपर से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में निवेश। भारत और विदेशों में कई ऐसी माइनिंग, मेटल और केबल निर्माण कंपनियां हैं, जिनका बिजनेस सीधे तौर पर कॉपर की कीमतों से जुड़ा है। हालांकि, इसमें कंपनी-विशेष के जोखिम भी जुड़े होते हैं। तीसरा रास्ता है डायवर्सिफाइड कमोडिटी या इंटरनेशनल फंड्स, जो अप्रत्यक्ष रूप से बेस मेटल्स या ग्लोबल कमोडिटी मार्केट में निवेश करते हैं। हालांकि, इनमें कॉपर का एक्सपोजर सीमित हो सकता है। कॉपर में निवेश को लेकर उत्साह के साथ-साथ संयम भी जरूरी है। यह एक साइकलिकल कमोडिटी है, जिसकी कीमतें वैश्विक आर्थिक हालात से तेजी से प्रभावित होती हैं। इसलिए निवेशकों को चाहिए कि वे इसे पोर्टफोलियो का छोटा हिस्सा बनाएं, न कि पूरा दांव इसी पर लगा दें। चरणबद्ध निवेश, लंबी अवधि का नजरिया और जोखिम प्रबंधन बेहद जरूरी है।

5 लाख को 5 साल के लिए ऐसे करें निवेश

बिजनेस डेस्क

अक्सर हम अपनी मेहनत की कमाई का कुछ हिस्सा बचाकर रख लेते हैं। मान लीजिए, आपके पास इस वक्त 5 लाख रुपये पड़े हैं और आपने मन बना लिया है कि अगले 5 साल तक आप इन पैसों को हाथ नहीं लगाएंगे। अब आपके सामने सबसे बड़ी चुनौती यह आती है कि इस पैसे को ऐसी कौन सी जगह निवेश करें, जहां से यह 5 साल बाद एक भारी-भरकम रकम बनकर वापस आए।

निवेश के ये आसान तरीके

बाजार में निवेश के बहुत से रास्ते हैं, लेकिन जब बात सुरक्षा और अच्छे मुनाफे के तालमेल की आती है, तो तीन नाम सबसे पहले जेहन में आते हैं। पहला है सरकारी सुरक्षा वाला एनएससी, दूसरा है बरसों पुराना भरोसा यानी एफडी और तीसरा है आज के दौर का सुपरहिट विकल्प यानी म्यूचुअल फंड लंपसम। समझते हैं कि आपके एक लाख रुपए इन तीनों रास्तों पर चलकर 5 साल में कहां तक पहुंचेंगे। अगर आप ऐसे शख्स हैं जिन्हें रात को सुकून की नींद चाहिए और आप अपने पैसे के साथ रत्ती भर भी रिस्क नहीं लेना चाहते, तो नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट यानी एनएससी आपके लिए सबसे मजबूत किला है।

कंपाउंड ब्याज देगा बड़ा मुनाफा

आज के समय में एनएससी पर करीब 7.7 प्रतिशत का सालाना कंपाउंड ब्याज मिल रहा है। इसका गणित बहुत सीधा है। अगर आप आज 5 लाख रुपये एनएससी में जमा करते हैं, तो 5 साल का समय पूरा होने पर आपके हाथ में लगभग 7.24 लाख रुपये होंगे, लेकिन इसकी असली खूबी सिर्फ ब्याज नहीं है। एनएससी में निवेश करने पर आपको इनकम टैक्स की धारा 80सी के तहत छूट भी मिलती

फिक्स्ड डिपॉजिट

देश में आज भी निवेश का मतलब एफडी ही समझा जाता है। अगर आप पोस्ट ऑफिस में 5 साल के लिए एफडी करवाते हैं, तो फिलहाल वहां करीब 7.5 प्रतिशत का ब्याज ऑफर किया जा रहा है। वहीं, बैंकों की बात करें, तो यह आंकड़ा थोड़ा कम यानी 6 से 6.5 प्रतिशत के बीच रहता है। चलिए, पोस्ट ऑफिस वाली ऊंची दर को पकड़कर हिसाब लगाते हैं। अगर आप 5 लाख रुपये यहां 5 साल के लिए लॉक कर देते हैं, तो मैच्योरिटी पर आपको करीब 7.26 लाख रुपये मिल सकते हैं। एफडी से मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल होता है, यानी आपकी कमाई पर टैक्स की कैंची चल सकती है. साथ ही, महंगाई को देखते हुए इसका असली मुनाफा थोड़ा कम महसूस हो सकता है. फिर भी, इसकी सरलता और लिक्विडिटी इसे आज भी लोकप्रिय बनाए हुए है.

म्यूचुअल फंड लंपसम

अब बात करते हैं उस विकल्प की, जिसने पिछले कुछ सालों में निवेशकों को सबसे ज्यादा आकर्षित किया है। यह है म्यूचुअल फंड में लंपसम निवेश। लंपसम का मतलब है कि आपने अपनी पूरी रकम एक ही बार में किसी फंड में डाल दी। अगर आप थोड़ा सा जोखिम उठाने का जिगरा रखते हैं, तो इक्विटी म्यूचुअल फंड आपको मालामाल कर सकता है।

यह निवेश करने का आसान और सबसे लोकप्रिय तरीका, छोटी-छोटी गलतियां करवा सकती हैं करोड़ों रुपये का नुकसान

संयम और प्लानिंग के साथ शुरू करें एसआईपी

एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले जान लें कुछ अहम बातें, वरना हो सकता है नुकसान!

सलाह | बिजनेस डेस्क

आज के समय में एसआईपी (सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान) निवेश का सबसे आसान और लोकप्रिय तरीका बन चुका है। नौकरीपेशा लोग हों या छोटे व्यापारी, हर कोई महीने की थोड़ी-सी बचत से बड़ा फंड बनाने का सपना देखता है। लेकिन यह समझना बेहद जरूरी है कि एसआईपी जितना आसान दिखता है, उतना ही जोखिम भरा भी हो सकता है, अगर इसे सही समझ और योजना के बिना शुरू या बंद किया जाए। छोटी-छोटी गलतियां लंबे समय में लाखों नहीं, बल्कि करोड़ों रुपये तक का नुकसान करवा सकती हैं। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें एकमुश्त बड़ी रकम लगाने की जरूरत नहीं होती। हर महीने तय राशि अपने आप म्यूचुअल फंड में निवेश हो जाती है। बाजार गिरता है तो उसी रकम में ज्यादा यूनिट्स मिलती हैं और बाजार चढ़ता है तो निवेश की वैल्यू बढ़ती है। इसी वजह से इसे आम निवेशकों के लिए आदर्श माना जाता है। लेकिन कई लोग इसे जोखिम-मुक्त मान लेते हैं, जो सबसे बड़ी भूल है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं, लंबे समय तक टिके रहने में ही फायदा मिलता

तार-चढ़ाव तय

एसआईपी पूरी तरह बाजार से जुड़ा होता है, इसलिए इसमें उतार-चढ़ाव तय है। दिसंबर 2025 में ही निवेशकों ने रिकॉर्ड 31,002 करोड़ रुपये एसआईपी में डाले। लेकिन अक्सर लोग बिना पूरी जानकारी के एसआईपी शुरू कर देते हैं या बीच में रोक देते हैं। आइए जानते हैं वो अहम बातें जो हर निवेशक को समझनी चाहिए

लंबे समय तक टिके रहने में लाभ

सबसे अहम बात यह है कि एसआईपी का असली फायदा लंबे समय तक टिके रहने में ही मिलता है। बहुत से निवेशक बाजार गिरते ही घबरा जाते हैं और एसआईपी बंद कर देते हैं। यही वह समय होता है जब निवेश जारी रखना चाहिए, क्योंकि गिरावट के दौरान खरीदी गई यूनिट्स भविष्य में बाजार सुधरने पर बड़ा रिटर्न देती हैं। बीच में एसआईपी रोक देना या पूरी तरह बंद कर देना कंपाउंडिंग के असर को तोड़ देता है, जिससे संभावित रिटर्न काफी कम हो जाता है।

बिना लक्ष्य निवेश शुरू न करें

एक और आम गलती है बिना लक्ष्य तय किए निवेश शुरू करना। यह जानना जरूरी है कि आप किस उद्देश्य के लिए पैसा लगा रहे हैं—बच्चों की पढ़ाई, घर खरीदना, शादी या रिटायरमेंट। लक्ष्य के अनुसार फंड का चुनाव और निवेश की अवधि तय की जानी चाहिए। इसके अलावा, अपनी आय और खर्चों का सही आकलन किए बिना बड़ी रकम की एसआईपी शुरू करना भी जोखिम भरा हो सकता है। अगर मासिक बजट बिगड़ता है तो मजबूरी में एसआईपी बंद करनी पड़ सकती है। इमरजेंसी फंड की कमी भी निवेशकों को नुकसान की ओर ले जाती है। अचानक मेडिकल या अन्य जरूरी खर्च आने पर लोग एसआईपी तोड़ देते हैं, जिससे न सिर्फ रिटर्न कम होता है बल्कि टैक्स का बोझ भी बढ़ सकता है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले कम से कम 6 महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड बनाना बेहद जरूरी है।

निवेश का बेहतरीन जरिया

एसआईपी निवेश का बेहतरीन जरिया है, लेकिन इसे जोखिम-मुक्त समझना भारी पड़ सकता है। सही जानकारी, स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और धैर्य के साथ किया गया निवेश ही लंबे समय में बड़ा फंड बना सकता है। याद रखें, एसआईपी शुरू या बंद करने से पहले लिया गया हर फैसला आपके भविष्य की आर्थिक स्थिति तय करता है।

एसआईपी जोखिम-मुक्त नहीं है

बहुतों को लगता है कि एसआईपी से जोखिम कम हो जाता है। हकीकत ये है कि एसआईपी सिर्फ निवेश का तरीका है, यह फंड की प्रकृति नहीं बदलता। अगर फंड इक्विटी या डेट मार्केट में है, तो उतार-चढ़ाव का असर एसआईपी पर भी पड़ेगा। सही फंड चुनना और अपने लक्ष्य व जोखिम क्षमता को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। कम राशि से शुरुआत और लचीलापन एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है कि आप सिर्फ 500 रुपये से भी शुरुआत कर सकते हैं। अगर कभी आर्थिक दबाव हो तो किस्त रोक सकते हैं या स्किप कर सकते हैं। यही वजह है कि ये नए निवेशकों और अस्थिर आय वालों के लिए भी उपयुक्त है।

किस्तें मिस करना महंगा

किस्तें मिस करना महंगा पड़ सकता है
अगर आप हर साल सिर्फ एक एसआईपी छोड़ दें, तो 20 साल में करोड़ों का नुकसान हो सकता है।
उदाहरण: 20,000 मासिक एसआईपी 20 साल में 2 करोड़ बन सकती है, लेकिन हर साल एक किस्त छोड़ने से लगभग 40 लाख कम हो जाएंगे।

मार्केट टाइमिंग की जरूरत नहीं

बाज़ार कब ऊपर जाएगा या नीचे आएगा, ये कोई नहीं बता सकता। एसआईपी का फायदा यही है कि यह अलग-अलग स्तरों पर निवेश फैलाकर जोखिम कम करता है। जो निवेशक मंदी में भी एसआईपी जारी रखते हैं, उन्हें लंबे समय में बेहतर रिटर्न मिलता है।

एसआईपी बढ़ाना देता है दोगुना फायदा

अगर आप हर साल एसआईपी राशि 10% बढ़ाते हैं, तो नतीजे चौंकाने वाले होते हैं। उदाहरण: 5,000 रुपये मासिक एसआईपी 20 साल में 50 लाख बन सकती है, लेकिन हर साल 10% बढ़ाने पर वही एसआईपी लगभग 1 करोड़ एसआईपी तक पहुंच सकती है। एसआईपी कोई जादू नहीं, बल्कि अनुशासन और धैर्य का खेल है। जल्दी शुरू करें, लंबे समय तक टिके रहें, किस्तें मिस न करें और धीरे-धीरे राशि बढ़ाते रहें। तभी एसआईपी आपके लिए असली वेल्थ क्रिएटर साबित होगी।

खबर संक्षेप

खड़खड़ी के स्कूली बच्चों को पाठ्यसामग्री बांटी

नारनौल। राजकीय प्राथमिक पाठशाला खड़खड़ी में एक सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम आयोजन किया गया। बच्चों को दीवान फौरव्हील्स प्राइवेट लिमिटेड, (महिंद्रा वाले) से प्रियांशी संघी व उनकी टीम ने सभी बच्चों को स्कूल बैग, पानी की बोतल व स्टेशनरी का सामान प्रदान किया। इनका ध्येय बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सेवा प्रदान करना रहा है। इस अवसर पर रचना यादव, कर्मवीर सिंह, विरेन्द्र सिंह, जयभगवान, श्याम सुन्दर आदि उपस्थित रहे। मंच संचालन करते हुए कर्मबीर सिंह ने दीवान फोरव्हीलस की सराहना की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शिवाजी नगर में माता की चौकी का आयोजन

नारनौल। किशनलाल शिक्षा एवं जनकल्याण समिति की ओर से शुक्रवार रात्रि को माता रानी की चौकी का आयोजन इंदिरा वर्मा के निवास स्थान पर मोहल्ला शिवाजी नगर में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान पवन यादव, कार्यक्रम संयोजक दिनेश शर्मा व सोनू पागल ने संयुक्त रूप से की। माता रानी की चौकी के मुख्य यजमान संदीप वर्मा सपत्नीक रहे। इस अवसर पर चौकी संयोजक दिनेश शर्मा प्राचार्य ने बताया कि माता की चौकी में पुरोहित शास्त्री ने विधिवत पूजन किया। गणेश वंदना व माता का आह्वान विकास ने किया।

पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में तनु प्रथम

नारनौल। राजकीय महाविद्यालय कृष्ण नगर में प्राचार्या डॉ. सुमन यादव की अध्यक्षता में रेड रिबन क्लब की ओर से एचआईवी एड्स पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के तहत विद्यार्थियों ने बहुत सकारात्मक संदेश देने वाले पोस्टर बनाएं। यह पोस्टर समाज में एड्स के बारे में लोगों को जागरूक करने का काम करेंगे। इन पोस्टर के माध्यम से विद्यार्थियों ने समाज में एक सकारात्मक संदेश दिया, जो की एड्स जैसी भयंकर बीमारी को रोकने के लिए सार्थक सिद्ध होंगे। प्रतियोगिता में प्रथम तनु, द्वितीय नितिन, तृतीय स्थान पर रोहित पालीवाल रहे। कार्यक्रम अधिकारी सुभाष जोली ने विद्यार्थियों को इस भयंकर बीमारी की रोकथाम के बारे में जागरूक किया।

श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए

बाबा नाहर सिंह मेला संस्कृति का अभिन्न अंगः संतोष यादव

बाबा नाहर सिंह की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र वासियों के मंगलमय जीवन की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पूर्व डिप्टी स्पीकर संतोष यादव ने गांव बजाड़ में आयोजित बाबा नाहर सिंह के पावन मेले में शिरकत कर श्रद्धालुओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस पावन अवसर पर बाबा नाहर सिंह के मेले में आप सभी के बीच में उपस्थित होना सौभाग्य की बात है और इस भव्य कार्यक्रम के लिए आयोजक समिति का धन्यवाद किया। संतोष यादव ने कहा कि बाबा नाहर सिंह मेला हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग है। यह मेला हमारी संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमें हमारे पूर्वजों की विरासत से जोड़ता है। बाबा नाहर सिंह की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र वासियों के मंगलमय जीवन की कामना की।

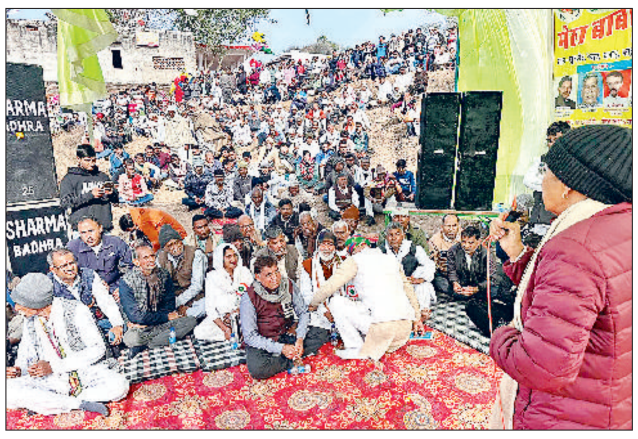

नारनौल। मेले में श्रद्धालुओं को संबोधित करती पूर्व डिप्टी स्पीकर। फोटो: हरिभूमि

उन्होंने कहा कि यह मेला एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी आस्था, परंपरा, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। यह मेला जहां हमारी ग्रामीण प्रतिभाओं को अपनी कला प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है। वही विलेज इकोनामिक ट्रेड को बढ़ावा देता है, लोकल फोर वोकल पर जोर देता है। मेले लोक जीवन और लोक संस्कृति के रंगस्थल होते हैं। इनमें धर्म, संस्कृति, साहित्य, व्यावसायिकता, कला, मनोरंजन, लोक नृत्य व लोक गीत आदि का समन्वित रूप परिलक्षित होता है। बाबा नाहर सिंह एक महान संत थे। जिन्होंने अपने जीवन को समाजसेवा और भगवान की भक्ति में समर्पित कर दिया था।

उनकी कहानी हमें सिखाती है कि कैसे एक व्यक्ति अपने जीवन को दूसरों की सेवा में समर्पित कर सकता है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा नाहर सिंह, जिन्हें न्याय का देवता और श्रद्धा का केंद्र माना जाता है, उनके इस पावन अवसर पर आसपास के क्षेत्रों से भारी संख्या में भक्तों का आना हुआ। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के प्रसाद ग्रहण करने की व्यवस्था की गई। श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए तथा स्वयंसेवकों की टोलियां तैनात रही।

कांटी में खेल महाकुंभ की धूम कबड्डी में बाहाला विजेता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

- मेले के साथ दो दिवसीय खेल महाकुंभ का आयोजन

अटेली क्षेत्र के गांव कांटी में बाबा नरसिंह दास मंदिर परिसर में मेले का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। सुबह हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। मेले की यह परंपरा पिछले करीब 125 वर्षों से चली आ रही है, जिसमें आसपास के गांवों के साथ-साथ राजस्थान से भी श्रद्धालु पहुंचते हैं। नवजात बच्चों की जात और नवविवाहित जोड़ों द्वारा धोक लगाने की परंपरा भी निभाई गई। हवन के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें देशी घी से तैयार प्रसाद वितरित किया गया। मेले के साथ दो दिवसीय खेल महाकुंभ का भी आयोजन किया गया। पहले दिन अंडर-17 आयु वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता हुई, जिसमें हरियाणा व राजस्थान की 27 टीमों ने भाग लिया। महेंद्रगढ़, सोनीपत, रोहतक, हिसार, भिवानी, दादरी, भरतपुर, अलवर और बहरोड़ की टीमें शामिल रही। कबड्डी के मुकाबले सुबह 10 बजे मंदिर के सामने पहाड़ की तलहटी में बने स्टेडियम में शुरू हुए और रोमांचक मुकाबलों के चलते रात तक चले। फाइनल मुकाबला बाहाला और गुरुग्राम की टीमों के बीच हुआ, जिसमें बाहाला की टीम विजेता बनी। विजेता खिलाड़ियों को गांव के वरिष्ठ नागरिकों, मेला कमेटी व रिटायर्ड रॉ अधिकारी रविंद्र चौहान ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

मंडी अटेली। कांटी में कुश्ती पहलवानों के हाथ मिलवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

कुश्ती दंगल में 61-61 हजार रुपये की दो बड़ी कुश्तियां कराई

शाम को आयोजित कुश्ती दंगल में 61-61 हजार रुपये की दो बड़ी कुश्तियां कराई गई। पहली कुश्ती भोला पहलवान और आशीष पहलवान के बीच बराबरी पर छूटी, जबकि दूसरी 61 हजार की कुश्ती मनजीत ओर रोहित के बीच बराबरी पर छुट्टी, लेकिन दर्शकों का खूब उत्साह बढ़ाया। आयोजन के सफल समापन पर मेला कमेटी की ओर से सभी सहयोगियों का आभार जताया गया। इस मौके पर मंदिर संरक्षक बाबा निरंजन दास, सरपंच प्रतिनिधि देवी सिंह देबू, रविंद्र सिंह चौहान डीजी, कोच ललित डाबड़, नानकपाल सिंह, राजकुमार कोच, मेला कमेटी सदस्य मदन यादव, गौतम चौहान, राकेश वर्मा, निरंजन सिंह, गजेंद्र, सतीश व नरेश सिंह आदि मौजूद रहे।

एसडीएम ने फहराया राष्ट्रीय ध्वज

नांगल चौधरी। परेड का निरीक्षण करते एसडीएम उदय सिंह। फोटो: हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नांगल चौधरी

उपमंडल स्तर पर चौधरी बैजनाथ महिला कॉलेज में मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। एसडीएम उदय सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने परेड निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में एनआईटी फरीदाबाद विधायक सतीश कुमार फागना मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत कर ध्वजारोहण करेंगे। उन्होंने परेड कमांडर व सांस्कृतिक प्रभारियों को अनुशासन और समन्वय के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान परेड कमांडर पीएसआई प्रतीक कुमार ने परेड को कमान दी। मंच संचालन राजकीय महिला महाविद्यालय नारनौल से प्रोफेसर डॉ. ममता शर्मा ने किया। इस मौके पर तहसीलदार निशा, मेजर सतीश दहिया राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. अनिल यादव, चौधरी बैजनाथ महिला कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. अनीता तंवर, बीडीपीओ इशान आदि मौजूद थे।

संस्कृत भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्माः अरविंद मोहन

- संस्कृत भाषा सीखना और पढ़ना दोनों ही दृष्टि से अत्यंत लाभकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

संस्कृत भारती (न्यास) के सौजन्य से महेंद्रगढ़ में स्थित संस्कृत भारती कार्यालय में चल रहे 10 दिवसीय संस्कृत सामाजिक संभाषण शिविर के सातवें दिन की शुरुआत बुचौली सरपंच प्रतिनिधि अरविंद मोहन एवं सब्जी मंडी प्रधान सूरत सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके की। मुख्य अतिथि अरविंद मोहन ने कहा कि संस्कृत न केवल प्राचीन भाषा है, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा की आत्मा है। आज के युग में भी संस्कृत भाषा का महत्व कम नहीं हुआ है, बल्कि शिक्षा, शोध, तकनीक और मानसिक विकास के क्षेत्र में इसकी उपयोगिता बढ़ी है। संस्कृत भाषा सीखना और पढ़ना दोनों ही दृष्टि से अत्यंत लाभकारी है। इसलिए हम कह सकते हैं कि संस्कृत सब भाषाओं की जननी है। दिल्ली पब्लिक स्कूल महेंद्रगढ़ के प्रधानाचार्य रमेश कुमार झा ने मां सरस्वती का विधिवत पूजन करवाते हुए कहा कि संस्कृत हमारी पहचान भाषा है और यह सब भाषाओं की जननी है। भारत देश की दो ही प्रतिष्ठा हैं एक संस्कृति और दूसरी संस्कृत। इसलिए इसको हमें बचाकर रखना होगा। बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर सभी संस्कृत अनुरागियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर संस्कृत भारती के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख एवं प्रचारक सर्वेश देव पुजारी मुख्य शिक्षक की भूमिका में रहे। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षार्थियों को बड़े सरल व सहज भाव से विभिन्न गतिविधियों के द्वारा सीखाने का प्रयास किया गया। मौके पर प्रांत संपर्क प्रमुख अशोक बुचोली, जिला संपर्क प्रमुख मास्टर दीपक शर्मा, नपा के चेयरमैन रमेश सैनी आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। मां भारती को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

महेंद्रगढ़। गणतंत्र के उपलक्ष्य में कार्यक्रम प्रस्तुत करती बच्चियां। फोटो: हरिभूमि

सिटी किड्ज में हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

महेंद्रगढ़। सिटी किड्ज़ वर्ल्ड स्कूल में 79वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यालय के मैनेजिंग डायरेक्टर नितिन यादव द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराने के साथ हुई। इसके पश्चात राष्ट्रगान गाया गया। छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य, कविता पाठ एवं लघु नाटिका प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में भारतीय संविधान के महत्व तथा स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान पर प्रकाश डाला गया। प्रधानाचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को संविधान के आदर्शों पर चलने एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने एकता, अनुशासन और देशप्रेम के महत्व पर बल दिया। कार्यक्रम के अंत में मिष्ठान वितरण किया गया।

नारनौल। विज्ञान प्रदर्शनी के विजेता विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

श्रीकृष्ण स्कूल में विजेता टीमों को किया सम्मानित

नारनौल। श्रीकृष्ण सीनियर सेकेण्डरी स्कूल भुंगारका में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विज्ञान प्रदर्शनी की विजेता टीमों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्कूल के चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव, प्राचार्य वेदपाल यादव, अध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित थे। स्कूल प्राचार्य वेदपाल यादव ने बताया कि विज्ञान प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करना और उन्हें नवाचार के लिए प्रेरित करना है। विज्ञान प्रदर्शनी में अव्वल रही टीमों को प्रशस्ती पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन एडवोकेट राजपाल यादव ने विजेता टीमों को बधाई दी। उपप्राचार्य संदीप खैरवाल ने कहा कि विज्ञान के बिना हमारा जीवन अधूरा है और हमें विज्ञान के प्रति रूचि पैदा करनी चाहिए। विज्ञान प्रदर्शनी के सीनियर ग्रूप में प्रयोगात्मक रसायन विज्ञान प्रोजेक्ट ने प्रथम, पास्कल के नियम के अनुप्रयोग प्रोजेक्ट ने द्वितीय, डीएनए प्रोजेक्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जूनियर ग्रूप में आपदा प्रबंधन प्रोजेक्ट ने प्रथम, नवीकरणीय ऊर्जा संरक्षण प्रोजेक्ट व हृदय की कार्यप्रणाली प्रोजेक्ट ने संयुक्त रूप से द्वितीय, गैस डिटेक्टर प्रोजेक्ट व ज्वालामुखी प्रोजेक्ट ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया।

आजाद चौक में मनाई भगवान श्रीराम मंदिर की तृतीय वर्षगांठ

नारनौल। युवा संगठन के तत्वावधान में भगवान श्रीराम मंदिर स्थापना के उपलक्ष्य में आजाद चौक में तृतीय वर्षगांठ पर एक भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन बड़ी श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम संस्था के संरक्षक विजय जिंदल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से हुई, जिसके पश्चात भगवान श्रीराम की विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। इस अवसर पर आजाद चौक परिसर को आकर्षक रोशनी, पुष्प सज्जा एवं दीपों से भव्य रूप से सजाया गया। दीपोत्सव के अंतर्गत सैकड़ों दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरा वातावरण 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ भक्तिमय एवं राममय हो गया।

नारनौल। पूजा-अर्चन करते शहर के श्रद्धालु। फोटो: हरिभूमि

कनीना। परेड का निरीक्षण करते एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह। फोटो: हरिभूमि

कनीना में विधायक कंवर सिंह होंगे मुख्य अतिथि

कनीना। उपमंडल स्तर पर 26 जनवरी को राजकीय पितामह कान्हा सिंह कॉलेज में मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके बाद उन्होंने परेड निरीक्षण किया तथा मार्च पास्ट की सलामी ली। 26 जनवरी को कनीना उपमंडल स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में महेंद्रगढ़ विधायक कंवर सिंह मुख्यातिथि के तौर पर शिरकत कर ध्वजारोहण करेंगे। एसडीएम डॉ. जितेंद्र सिंह ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरे उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाएं। उन्होंने सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के टीम के इंचार्ज को निर्देश दिए कि वे बच्चों का लगातार अभ्यास करवाते रहें। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का समय निश्चित होना चाहिए। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।

नेताजी के विचारों एवं सिद्धांतों का अनुकरण करने की जरूरत

नारनौल। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में सुभाष पार्क में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल समिति के सौजन्य से नेताजी जयंती पूरे जोश एवं उत्साह के साथ मनाई गई। नेताजी की प्रतिमा पर कृतज्ञ मन से तिरंगे लहराकर पुष्पांजलि भेंट की गई। साथ ही हवन-यज्ञ का आयोजन भी किया गया, जो स्वामी हंसानंद के मार्ग-दर्शन में संपन्न हुआ। अनेक विद्यालयों में सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन पहले ही करवा लिया गया था। आज उन विजेताओं को ईनाम देकर सम्मानित किया गया। संस्था के अध्यक्ष पूर्व प्राचार्य सज्जन सिंह यादव ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला और उनके विचारों एवं सिद्धांतों का अनुकरण करने पर बल दिया। इस अवसर पर विद्यासागर, सत्यदेव, मदनगोपाल, ओमप्रकाश छापड़ा, प्रवक्ता राजेश, मनीष यादव आदि अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। महिलाओं प्रेम यादव, राष्ट्रपति अवॉर्डी सरपंच रोशनी देवी समेत अनेक महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज कराकर कार्यक्रम को भव्यता प्रदान की। बाबूजी ताजपाल यादव ने नेताजी के जीवन पर प्रकाश डाला। सभी को प्रसाद वितरण किया गया। तद्उपरांत कार्यक्रम संपन्न हुआ।

नारनौल। नेताजी नमन करते प्राचार्य सज्जन सिंह यादव एवं अन्य।

कोख में कन्या को बचाना हम सबका कर्तव्य हैः मंजू

महेंद्रगढ़। कोख में कन्या को बचाना हम सबका कर्तव्य है। नारी शक्ति का सम्मान करने वाले परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण संस्कार की भावना से होता है। मोहल्ला सैनीपुरा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर स्थित प्रेम सैनी ठेकेदार व मंजू देवी के घर जन्मी नवजात पोती का समारोह मनाने वाले परिवार को सम्मानित करते हुए उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए यह संदेश राष्ट्रपति से सम्मानित नगर पालिका की उपप्रधान मंजू कौशिक ने कही। इस मौके पर उन्होंने अपनी परम्परा के अनुरूप कन्या जन्म पर लड़के के जन्म की तरह कुंआ पूजन करने वाले परिवार को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि गत 23 दिसंबर को नचिता देवी पत्नी लोकेश सैनी ने एक कन्या को जन्म दिया। तभी दादा प्रेम सैनी ठेकेदार व दादी मंजू देवी ने ऐलान कर दिया कि घर में आई कन्या का जन्म लड़के के जन्म की तरह पर्व की तरह मनाया जाएगा।

जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

जिला स्तर पर 26 जनवरी को आईटीआई मैदान में मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की शनिवार को फुल ड्रेस रिहर्सल की गई। एसडीएम अनिरुद्ध यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

इसके बाद उपायुक्त कैप्टन मनोज कुमार ने इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मौके पर ही समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। वहीं मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि हर देशवासी के लिए गणतंत्र का यह पर्व विशेष महत्व रखता है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस समारोह में भारी संख्या में अपनी भागीदारी निभाएं। डीसी ने बताया कि इस बार गणतंत्र दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रदेश के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर पधारेंगे। उपायुक्त ने सभी सांस्कृतिक टीमों के इंचार्ज को लगातार अभ्यास जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि इस बार गणतंत्र दिवस समारोह में आठ स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक टीमें देशभक्ति तथा हरियाणवी संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रम पेश करेंगी। जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में परेड तथा मार्च पास्ट में 10 टुकड़िया शामिल की गई है। इनमें पुलिस प्लाटून, महिला प्लाटून, होमगार्ड प्लाटून, एनसीसी लड़के, एनसीसी लड़कियां, रेडक्रॉस ब्रिगेड, स्काउट प्लाटून, गाइड प्लाटून कब व बुलबुल शामिल है।

नारनौल। सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करते स्कूली बच्चे। फोटो: हरिभूमि

कार्यक्रम महिला महाविद्यालय में बैंकिंग क्षेत्र में करियर पर विशेष व्याख्यान आयोजित

प्रारंभिक परीक्षा में पूछे जाते हैं वस्तुनिष्ठ प्रश्नः परमवीर

- बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आवश्यक योग्यता, परीक्षा पैटर्न और साक्षात्कार के बारे में जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

राजकीय महिला महाविद्यालय में प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के तत्वाधान में एक विस्तृत व्याख्यान करियर कम्पासः सरकारी क्षेत्र के बैंकिंग में आगे बढ़ना का आयोजन किया गया। पंजाब नेशनल बैंक आकोदा के शाखा प्रबंधक परमवीर मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र सिंह ने की।

मुख्य वक्ता परमवीर ने बताया कि वर्तमान समय में लोगों में बढ़ती बैंकिंग लेनदेन के कारण बैंकिंग क्षेत्र का विस्तार होने से युवाओं के लिए इस क्षेत्र में अनेक रोजगार के अवसरों का सृजन हुआ है। परमवीर ने बैंकिंग क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आवश्यक योग्यता, परीक्षा पैटर्न और साक्षात्कार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बैंकिंग परीक्षाओं में सामान्यतः प्रारंभिक परीक्षा, मुख्य परीक्षा और साक्षात्कार जैसे चरण होते हैं। प्रारंभिक परीक्षा में वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाते हैं, जबकि मुख्य परीक्षा में वर्णनात्मक प्रश्न होते हैं। साक्षात्कार में उम्मीदवार की व्यक्तित्व, संवाद कौशल और बैंकिंग से संबंधित ज्ञान का आकलन किया जाता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में जानकारी देते वक्ता फोटो: हरिभूमि

प्राचार्य ने भी दी जानकारी

प्राचार्य प्रोफेसर महेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी प्रोफेसर बिजेंद्र कुमार ने सरकार द्वारा जारी प्लेसमेंट सेल की ग्रांट के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट एवं करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रोफेसर बिजेंद्र कुमार ने किया। इस अवसर पर डॉ ज्योति शर्मा, डॉ सुमन, डॉ भरत सोनी, कंवर सिंह, संजय सिवाच व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नेगेटिव मार्किंग के बारे में बताया

परमवीर ने परीक्षा पास करने के लिए नियमित अध्ययन और अभ्यास करने, समय प्रबंधन का ध्यान रखने, वर्तमान घटनाओं से अपडेट रहने, मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस पेपर सॉल्व करने, और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने नेगेटिव मार्किंग के बारे में बताया और अटेंप्ट अप्रोच के लिए टिप्स दिए, जैसे कि हर प्रश्न को ध्यान से पढ़ना, अगर उत्तर पता है तो ही अटेंप्ट करना, अगर अनिश्चित हैं तो छोड़ देना, और समय का ध्यान रखना और रणनीतिक तरीके से अटेंप्ट करना। उन्होंने हाइब्रिड मोड में मॉक टेस्ट और प्रैक्टिस सेशन के महत्व पर भी जोर दिया, जिससे छात्र ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से तैयारी कर सकें। व्याख्यान के अंतिम चरण में परमवीर ने छात्राओं के डाउट और प्रश्नों को सुना और संबंधित टॉपिक पर विस्तार से चर्चा की।

श्रीराम कथा के पहले दिन रामभद्राचार्य ने किया शिव विवाह का गुणगान

जोरासी धाम में श्रीराम कथा सुनने पहुंचे श्रद्धालु

नारनौल। जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य से आशीर्वाद लेते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बडौली। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

आर्यवर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया की ओर से जोरासी में आयोजित 151 कुंडीय सहस्त्र चंडी महायज्ञ एवं श्रीराम कथा का शनिवार को आगाज हो गया। सर्वप्रथम मंच पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत ज्ञानदास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या ने दीप प्रज्वलित किया। इसके बाद जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने श्रीराम कथा की शुरूआत की। श्रीराम कथा के पहले दिन जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने शिव विवाह का गुणगान किया। वहीं पंडाल में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीराम कथा का आनंद उठाया। इस दौरान कथा सुनकर श्रद्धालु गण भाव विभोर नजर आए।

कथा के पहले दिन हरियाणा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहनलाल बडौली भी पहुंचे। उन्होंने कथा सुनकर कहा कि इस तरह का भव्य आयोजन सनातन को मजबूती प्रदान करता है। सनातन में ही हमारी संस्कृति निवास करती है। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह भी पहुंचे। कार्यक्रम के प्रमुख विभूति धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज की अध्यक्षता में आयोजित विशाल शोभा यात्रा, 151 कुण्डीय सहस्त्र चण्डी महायज्ञ व श्रीराम कथा के दिव्य भव्य आयोजन हेतु में कार्यक्रम के मुख्य संयोजक एवं आर्यावर्त सेवा न्यास के संस्थापक विनीत पिलानिया के गुरु पश्चिम पीठ शेष मठ शिंगड़ा जगद्गुरु रामानंदाचार्य वैदेही वल्लभ देवाचार्य महाराज व आयोजक संत सेवी विनीत पिलानिया, सुरेन्द्र चौधरी व समस्त आयोजक मंडल को आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में निर्वाणी अखाड़ा के महंत मुरलीदास महाराज, तीनों अनी अखाड़ा के पूर्व प्रधानमंत्री महंत माधवदास, महाराज, सचिव निर्वाणी अखाड़ा महंत सत्यदेव दास महाराज, महंत संजय दास महाराज उत्तराधिकारी धर्म सम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज, श्रृंगी ऋषि पीठाधीश्वर महंत हेमंत दास आदि उपस्थित रहे।

ये लोग रहे मौजूद

प्रदेश अध्यक्ष भाजपा मोहनलाल बडौली, प्रदेश अध्यक्ष कांग्रेस राव नरेंद्र सिंह, पूर्व चेयरमैन एवं वरिष्ठ भाजपा नेता गोविंद भारद्वाज, पूर्व चीफ जस्टिस सतीश मित्तल, विधायक धर्मपाल चौधरी, विधायक मंजू चौधरी, पूर्व मंत्री डॉ. बनवारी लाल, यतेंद्र राव, दयाराम यादव, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, कमलेश सैनी, पूर्व विधायक सीताराम यादव, अमित मिश्रा, वासुदेव यादव आदि मौजूद रहे।

यह संत रहे मंच में मौजूद

मंच पर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष धर्म सम्राट महंत ज्ञानदास महाराज हनुमानगढ़ी अयोध्या, संकट मोचन सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के महंत महंत मुरलीदास महाराज व एनी के महामंत्री सत्यदेव दास, नंद रामदास महाराज, सार्वभौम रामानंदाचार्य प्रतिष्ठित तुलसी पीठ आदिश्वर जगतगुरु रामानंदाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य महाराज, पश्चिम पीठाधीश्वर शेष मठ सिंगड़ा कौशलेंद्र मठ पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामानंदाचार्य स्वामी वैदेही वल्लभ देवाचार्य महाराज, जौधपुर एवं तीनों अनी अखाड़ा के पूर्व प्रधान महंत माधव दास महाराज, पंजाब से महामंडलेश्वर रामदास महाराज, महंत सिद्धार्थ दास महाराज, बलदेव दास महाराज, स्वामी सदानंद महाराज वृंदावन, महर्षि पाणिनि विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति शिवशंकर मिश्र व प्रोफेसर दिनेश कुमार गर्ग, प्रोफेसर रामनारायण द्विवेदी, महामंत्री काशी विद्वत परिषद, प्रोफेसर दिनेश कुमार पांडे, कुलपति लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली मौजूद रहे।

अस्पताल में शीघ्र ही चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी

कनीना के 6 गांवों में 5.16 करोड़ के विकास कार्यों का उद्घाटन

किसान, मजदूर के हितों को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयासरत, शहरों की तर्ज पर किया जाएगा गांवों का विकास

कनीना अस्पताल में चिकित्सकों सहित जल्द मिलेगी अल्ट्रासाउंड की सुविधा

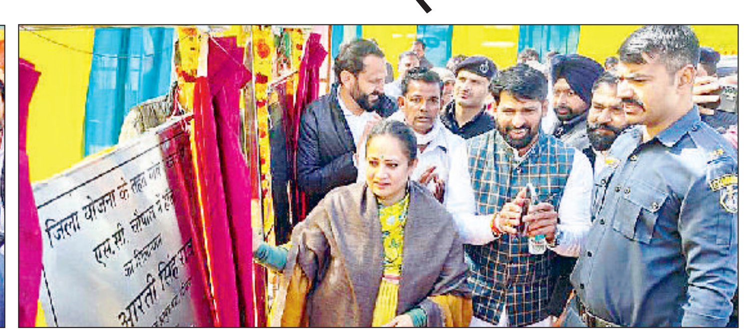
कनीना। मंचासीन स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव तथा विकास कार्य का शिलान्यास करती स्वास्थ्य मंत्री। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

प्रदेश की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने शनिवार को कनीना सब डिवीजन के विभिन्न गांवों का धन्यवादी दौरा कर करोड़ों रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास व उद्घाटन किया। सबसे पहले उन्होंने नौताना गांव का दौरा किया। जहां 31 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तालाब व जलघर का शिलान्यास किया। इसके बाद उन्होंने पोता में 36 लाख की लागत से बनी फिरनी व स्कूल रोड का उद्घाटन किया। उच्चत में 10.23 लाख की लागत से बने शमशान घाट की चारदीवारी व पेयजल टंकी का उद्घाटन किया। वहीं नौ लाख की लागत से बनने वाली एससी चौपाल का शिलान्यास भी किया।

इसी प्रकार उन्होंने छितरोली, झाड़ली व उन्हाणी का दौरा किया। जहां उन्होंने 5.16 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं को मंजूरी दी। जिसमें ग्रामीण विकास, पेयजल पाइप लाइन, श्मशान घाट, फिरनी, तालाब, सिंचाई, चौपाल निर्माण आदि शामिल हैं। गांवों में पहुंची स्वास्थ्य मंत्री का संबंधित ग्राम पंचायत एवं ग्रामीणों ने स्वागत किया। आरती सिंह राव ने अपने संबोधन में कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार जनहित के कल्याण को लेकर विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित कर रही हैं। किसान, मजदूर के हितों को ऊपर उठाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर किया जाएगा। जिन गांवों में पानी निकासी की समस्या है, उसमें सीवरेज सिस्टम मंजूर किया जाएगा। कूड़े के निस्तारण के लिए डंपिंग यार्ड बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए चिकित्सकों की भर्ती की जा रही है। वहीं अस्पताल भवनों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। कनीना के अस्पताल में शीघ्र ही चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति की जाएगी। वहीं यूएसजी मशीन सहित अत्याधुनिक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। जिससे मरीजों को घर द्वार के समीप अच्छा उपचार मिल सकेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर पंचायत समिति कनीना के चेयरमैन जेपी यादव, मार्केट कमेटी के प्रधान जेपी कोटिया, पार्षद सवाई सिंह, कानूनगो राजसिंह, एडवोकेट पवन कुमार, भरपूर सिंह, गोविंद सिंह, रामरतन शर्मा, सुरेंद्र सिंह, कुलदीप धनखड़, अंकित कुमार, पंस के वाइस चेयरमैन रमेश महलावत, दीपक चौधरी उपस्थित थे।

अटेली नगर पालिका के विभिन्न कार्यों का स्वास्थ्य मंत्री ने किया शिलान्यास

मंडी अटेली। स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने नगर पालिका अटेली के चेयरमैन संजय गोयल के साथ नगर पालिका अटेली में नए भवन के स्वागत द्वार, रास्तों के निर्माण कार्य, अंबेडकर भवन के निर्माण कार्य, अटेली मंडी में पार्क निर्माण कार्य, नाले का निर्माण एवं अनेक निर्माण कार्यों का शिलान्यास किया है, जिसको लेकर नगर पालिका अटेली के चेयरमैन संजय गोयल ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के मार्गदर्शन में अटेली शहर को सुंदर बनाने के लिए कार्य किए जाएंगे। राज्य सरकार एवं स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव आम नागरिकों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हरियाणा सरकार पूरे समर्पण के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पेयजल सहित सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी से कार्य कर रही है। उन्होंने आश्वस्त किया कि आने वाले समय में अटेली में अच्छे व्यापक परिणाम दिखाई देंगे। प्रदेश में समान विकास के साथ-साथ जनहितैषी योजनाओं को लागू करने में प्राथमिकता से काम हो रहा है। वहीं सरकारी अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है, ताकि आम लोगों को इलाज के लिए दूर न जाना पड़े।

मंडी अटेली। नपा के कार्यों का शिलान्यास करती स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव।

खबर संक्षेप

ठंड लगने से मजदूर की मौत

नारनौल। यूपी के अमरोहा जिले से गांव बाछोद में मजदूर करने आए करीब 43 वर्षीय नन्हें पुत्र रिसाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी मुताबिक बाछोद हवाई पट्टी मार्ग पर प्रातःकाल को लोगों ने एक व्यक्ति पड़ा देखा। बाद में उसकी पहचान नन्हें के रूप में होने पर उसके परिवारजनों को सूचना दी। पुलिस ने शिनाख्त होने पर एंबुलेंस बुलाकर शव का नागरिक अस्पताल नारनौल पहुंचाया। मृतक नन्हें के बेटे बहादुर ने बताया कि उसका पिता बीती रात को घर नहीं आया था तथा सवेरे सड़क पर उसका शव पड़ा हुआ मिला। बहादुर ने बताया कि पुलिस का कहना है कि नन्हें की मौत रात्रि की ठंड से हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया।

31 को मनेगी विश्वकर्मा जयंती

नारनौल। महान शिल्पाचार्य भगवान विश्वकर्मा जयंती 31 जनवरी को पुल बाजार पुल बाजार स्थित विश्वकर्मा मंदिर में बड़े धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर जांगिड़ समाज के 10वीं व 12वीं की परीक्षाओं में पास छात्र एवं छात्राओं, जो नारनौल सब डिवीजन के अंतर्गत आते हैं तथा 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों, को सम्मानित किया जाएगा। जिन छात्र व छात्राओं का आईआईटी व एमबीबीएस में दाखिला हुआ है, उनको भी सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए विश्वकर्मा मंदिर कमेटी के प्रधान देवेंद्र जांगड़ा ने बताया कि उसी दिन आमसभा की बैठक भी आयोजित की जाएगी। यह बैठक सुबह 11 बजे से 12 बजे तक होनी निश्चित हुई है।

सिटी थाना पुलिस ने चलाया चेकिंग अभियान

कनीना। सिटी थाना पुलिस ने पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ व डीएसपी दिनेश कुमार के दिशानिर्देश में गणतंत्र दिवस के मौके पर सुरक्षा व्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए झुग्गी झोपड़ी, होटल सहित वाहन आदि में सर्चिंग अभियान चलाया। सिटी थाना इंचार्ज राकेश कुमार ने बताया कि झुग्गी झोपडी में रहने वाले व्यक्तियों से भी पूछताछ की जा रही है। नाका लगाकर वाहनों पर नजर रखी जा रही है। सदर थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त किया गया।

हकेंवि में 15 को छात्रों से रूबरू होंगे दिग्विजय

नारनौल। युवा जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला 15 फरवरी को केंद्रीय विश्वविद्यालय पाली के छात्र छात्राओं से संवाद करेंगे और उनकी समस्याएं सुनेंगे। इस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर 25 जनवरी सुबह 10 बजे जेजेपी के छात्र संगठन इनसो की बैठक मोहनपुर मोड़ कनीना में आयोजित की जाएगी। बैठक में इनसो के प्रदेश अध्यक्ष दीपक मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रभारी एवं छात्र नेता महिपाल नंबरदार बागौत करेंगे। जननायक जनता पार्टी के जिला प्रवक्ता विजय छिलरो ने बताया कि इस अवसर पर अटेली हल्का प्रधान बेदू राता, युवा प्रदेश प्रवक्ता अनमोल गुप्ता, युवा जिला अध्यक्ष सचिन चौधरी, इनसो के पूर्व जिला अध्यक्ष अभिषेक कुराहवटा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

महिला कालेज में आज होगी शॉर्ट फिल्म 'प्रेरणा' रिलीज

नारनौल। देश में मतदान को प्रेरित करती शॉर्ट फिल्म 'प्रेरणा' को 25 जनवरी को मतदाता दिवस पर राजकीय महिला महाविद्यालय में प्रातः 10 बजे रिलीज किया जाएगा। इस शॉर्ट फिल्म के निर्देशक डॉ. सुशील शीलू ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस फिल्म को क्षेत्रीय परिवेश आधार पर फिल्माया गया है, जिसमें एक किसान परिवार की लड़की के संघर्ष और सामाजिक चेतना की कहानी है। फिल्म में मुख्य भूमिकाएं सुमित्रा चौहान, रामपाल मेहरा, मास्टर सत्यबीर गुवानी, सरिता देवी गुवानी, मलखान सिंह, जयसिंह नारनौलिया, मास्टर अर्जुन मांडैया, टीना जेवरिया, सुनील पागल, राजू अफलातून आदि नए-पुराने कलाकारों ने काम किया है। अनेक बीएलओ और शिक्षक समुदाय ने भी फिल्म में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष भूमिकाएं निभाई हैं। फ्रेंड्स फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के कैमरा प्रबन्धन की जिम्मेदारी राजेश बामणिया, अश्विनी, दिनेश और विजय सैनी, कोरियोग्राफी अशोक खरेरा ने संभाली, जबकि साउंड और एडिटिंग मुकेश सेन की हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी फ्रेंड्स फिल्म्स ने अन्य कई सामाजिक चेतना से जुड़ी शॉर्ट फिल्मों का निर्माण किया है, जिसमें अंशदान, लोग और उनका कूड़ा, चीनी कम आदि काफी चर्चित रह चुकी हैं।

सीएम सैनी के जन्मदिन पर चिकित्सा शिविर आज

महेंद्रगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के जन्मदिन के शुभ अवसर पर 25 जनवरी को महेंद्रगढ़ में विभिन्न सामाजिक और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में हृदय रोग, स्त्री रोग, ईएनटी, फिजियोथेरेपी, दंत रोग और प्राकृतिक चिकित्सा के अनुभवी डॉक्टर अपनी सेवाएं देंगे। सैनी क्षत्रीय सभा और समस्त सैनी समाज द्वारा मुख्यमंत्री की दीर्घायु और उत्तम स्वास्थ्य के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। सैनी सभा के प्रधान सुरेश सैनी, सचिव होशियार सिंह तथा मास्टर दिनेश सैनी ने बताया कि इस मौके पर सैनीपुरा स्थित सैनी सभा प्रांगण में सुबह 8:15 पर सीएम सैनी की दीर्घायु के लिए हवन का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शहरवासियों को इस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि इस दौरान सभा प्रांगण में समाज सेवा के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर भी लगाया जा रहा है। शिविर का आयोजन सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक होगा। डॉ. मुकेश कुमार, डॉ. सोनू यादव , डॉ. मनीषा यादव, डॉ. विक्रांत डागर, डॉ. प्रवेज सिद्दीकी, डॉ. राहुल सैनी, डॉ. भंवर सिंह, डॉ. अर्जुन शेखावत, डॉ. क्रांति यादव, डॉ. सुमेर सिंह सहित कई अन्य विशेषज्ञ मौजूद रहेंगे।

साड़ियों की दुकान से गोशाला का दानपात्र चोरी

नारनौल। सरस्वती स्कूल के पास स्थित सीताराम रोहित कुमार की साड़ियों की दुकान से श्री अनाथ गोशाला का दानपात्र चोरी कर लिया गया। हैरानी की बात यह रही कि वारदात के समय दुकान में तीन लोग मौजूद थे, इसके बावजूद चोर बड़ी आसानी से दानपात्र उठाकर फरार हो गया। जानकारी के अनुसार चोर करीब आठ मिनट तक दुकान के बाहर काउंटर के पास खड़ा रहा और संदिग्ध गतिविधियां करता रहा। इस दौरान वह एक बार दुकान के अंदर भी गया। दुकान में उस समय दुकानदार काउंटर पर बैठा था, उसके सामने एक अन्य व्यक्ति मौजूद था, जबकि एक वर्कर खड़ा हुआ था। तीन लोगों की मौजूदगी के बावजूद चोर ने मौका देखकर दानपात्र को अपनी लोई में छुपाया और वहां से निकल गया। बताया गया है कि दानपात्र में करीब 20 हजार रुपये की नकद राशि थी, जो गोसेवा के लिए एकत्रित की गई थी। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद व्यापारियों व आमजन में रोष देखने को मिल रहा है।

खबर संक्षेप

सागरपुर में रक्तदान शिविर आज

मंडी अटेली। गणतंत्र दिवस के उपलक्ष में सागरपुर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर 25 जनवरी को लगाया जा रहा है। ब्लाक पंचायत समिति मेंबर प्रतिनिधि अनिल ने बताया की सागरपुर में बाबा हरनाम गिरी मंदिर में सुबह नौ बजे स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। इस शिविर में प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान कर जरूरतमंद की जान बचाने का प्रयास करना चाहिए। यह शिविर बाबा हरनाम गिरी युवा मंडल द्वारा लगाया जा रहा है।

अटेली पुलिस ने पकड़ी अवैध शराब

मंडी अटेली। अटेली पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कटकई में एक व्यक्ति अवैध रूप से दुकान के अंदर शराब बेचने का धंधा करता है। अटेली पुलिस ने सूचना को सही मानते हुए एक रेडिंग पार्टी तैयार कर बताए गए स्थान पर पहुंची तो दुकान का शट्टर खुला हुआ मिला। उसके में गेट में शीशे का दरवाजा लगा हुआ था, जिस पर पहले से ही ताला लगा था। अटेली पुलिस ने गांव के सरपंच, चौकीदार, नंबरदार को मौके पर बुलाकर दुकान की तलाशी के लिए डीएसपी के पास अनुमति का नोटिस भेजा, जिस पर हस्ताक्षर करवाए। दुकान के शीशे वाला दरवाजे का ताला खुलवाकर दुकान की तलाशी ली गई तो उसमें पांच पेटी बोतल रसीला संतरा, जिसमें 49 बोतल खुली हुई पड़ी थी। एक पेटी अद्धा शराब मार्का का रसीला संतरा, जिसमें 24 अद्धा व 89 अद्धे खुले पड़े हुए थे। वहीं चार पेटी पव्वा रसीला संतरा जिसमें 200 पव्वे एवं 152 पव्वे खुले पड़े हुए थे। जो कुल 253 बोतल बरामद हुई। उस दुकान में कोई सदस्य हाजिर नहीं मिला। वह उपस्थित गांव को लोगों ने बताया कि कटकई निवासी विनोद काफी दिनों से अवैध शराब बेचने का धंधा करता है। अटेली पुलिस ने एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

एनएसएस शिविर में करवाया योगाभ्यास

मंडी अटेली। राजकीय महिला महाविद्यालय अटेली में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के चौथे दिन की शुरुआत स्वयं सेविकाओं ने योगाभ्यास से की। इस मौके पर अशोक ने स्वयं सेविकाओं को कपालभाति, प्राणायाम, भ्रामरी आदि का अभ्यास करवाया तथा प्रातःकालीन सत्र में स्वयं सेविकाओं ने उनिंदा गांव के पार्क की साफ-सफाई की। सभी स्वयं सेविकाओं ने सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ रैली निकालकर गांववासियों को जागरूक किया। सांयकालीन सत्र में राज्य स्तरीय अवार्डी मिस रिचा गर्ग ने छात्राओं को एंटरप्रेन्योरशिप स्किल के बारे में बताया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डेंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

एसडीएम ने रिहर्सल में ली मार्च पास्ट की सलामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

उपमंडल स्तर पर 26 जनवरी को मनाए जाने वाले 77वें गणतंत्र दिवस समारोह की फुल ड्रेस रिहर्सल का आयोजन शनिवार को राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल परिसर में निर्धारित शेड्यूल अनुरूप हुआ। फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान एसडीएम कनिका गोयल ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया व मार्च पास्ट की सलामी ली। फुल ड्रेस रिहर्सल में विभिन्न विद्यालयों के प्रतिभागियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों सहित अन्य गतिविधियों का शानदार प्रदर्शन किया। एसडीएम कनिका गोयल ने रिहर्सल के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों व मार्च पास्ट सहित अन्य गतिविधियों का बारीकी से निरीक्षण किया।

उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव बतौर मुख्यातिथि उपस्थित होंगे। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी गणतंत्र दिवस से पूर्व अपनी-अपनी गतिविधियों को अंतिम रूप देना सुनिश्चित करें, ताकि समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन गरिमामयी ढंग से किया जा सके।

सम्मानित होंगे

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रम देशभक्ति से ओतप्रोत सहित प्रेरणादायक एवं शिक्षाप्रद होंगे। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों और युद्ध वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके अलावा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

बैंक खाते से राशि निकालने के आरोप में 6 नामजद

कनीना। जमीन का बैनामा कराने संबंधी मामले में लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में सदर थाना पुलिस ने एसडीजेएम कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज किया है। इस बारे में बेवल निवासी सुरेंद्र सिंह ने कोर्ट किए गए इस्तगासे में बताया कि उसने पीएनबी बैंक शाखा दौंगड़ा अहीर में खाता खुलवा रखा है। उसने अपनी जमीन बेचने के लिए एक इकरारनामा जुलाई 2023 में मंजू देवी बेवल के नाम किया था। जिससे चेक के माध्यम से पांच लाख रुपये अपने खाते में जमा करवाए थे। शराब छुड़ाने के मकसद से सुरेंद्र सिंह को नशा मुक्ति केंद्र बहरोड भेजा गया था।

टीम गांव-गांव जाकर जनजागरूकता अभियान चलाएगी

गुर्जर समाज सुधार टीम एवं समन्वय समिति की जिला टीम में 131 सदस्य शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

गुर्जर समाज में व्याप्त दहेज प्रथा, मृत्युभोज एवं फिजूलखर्ची जैसी सामाजिक कुरीतियों पर रोक लगाने तथा समाज में स्थायी एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से जिला महेंद्रगढ़ में गुर्जर समाज सुधार टीम एवं समन्वय समिति की 131 सदस्यीय टीम का गठन किया गया है। गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि गत 5 अक्टूबर 2025 को वीर गुर्जर महापंचायत पनियाला मोड़ कोटपुतली में सर्वसम्मति से तय किए गए 11 सूत्रीय समाज सुधार कार्यक्रम के तहत यह टीम गांव-गांव जाकर जनजागरूकता अभियान चलाएगी। उन्होंने बताया कि जिले के विभिन्न गांवों से जागरूक सामाजिक कार्यकर्ताओं को टीम में शामिल किया गया है। यह टीम विशेष रूप से उन गांवों में जाएगी, जहां अब तक ग्राम स्तर पर समितियां गठित नहीं हो पाई हैं। वहां ग्राम पंचायत एवं गांव के मौजिजान के साथ समन्वय कर 15 से 20 सदस्यों की ग्राम स्तरीय समाज सुधार समितियां गठित करवाई जाएंगी। इस 131 सदस्यीय समाज सुधार टीम के साथ जिले के विधायक, पार्षद, वर्तमान व पूर्व सरपंच, पंचायत समिति सदस्य, शिक्षाविद्, सभी राजनीतिक दलों के वरिष्ठ नेता तथा जिला महेंद्रगढ़ में कार्यरत सामाजिक संस्थाओं की कार्यकारिणी के प्रधान एवं सचिव भी इस अभियान से जुड़कर समाज सुधार के मिशन को मजबूती प्रदान करेंगे तथा समाज सुधार टीम का हरसंभव सहयोग करेंगे।

अवहेलना करने पर समझाएंगे या उचित निर्णय लेंगे: उमराव सिंह चंदेला

गुर्जर कल्याण परिषद के सचिव उमराव सिंह चंदेला ने कहा कि महापंचायत में लिए गए 11 बिंदुओं के विरुद्ध यदि जिले में कहीं भी समाज सुधार के 11 सूत्रीय कार्यक्रमों की अवहेलना पाई जाती है तो समाज सुधार टीम संवाद के माध्यम से समझाने का प्रयास कर नियमों की पालना सुनिश्चित करेगी। आवश्यकता पड़ने पर गांवों की स्थानीय ग्राम स्तरीय समितियों से समन्वय स्थापित कर, जानबूझकर नियमों की अवहेलना करने वालों के विरुद्ध सामाजिक एकजुटता के साथ उचित निर्णय भी लिए जाएंगे।

समाज को शिक्षित करना उद्देश्य

गुर्जर कल्याण परिषद के अध्यक्ष कुलदीप सिंह भरगड़ एडवोकेट ने बताया कि इस समाज सुधार टीम जिला महेंद्रगढ़ का मुख्य उद्देश्य सामाजिक भाईचारे को मजबूत कर समाज को कर्जमुक्त बनाते हुए एक समृद्ध एवं विकसित समाज का निर्माण करना तथा समाज के प्रत्येक बच्चे को शिक्षित करना है।